

कर दी है। समिति की रिपोर्ट प्राप्त होने पर अर्करा कारखानों के आधुनिकीकरण की एक योजना बनाने का सरकार का विचार है।

उत्तर प्रदेश में सहकारी चीनी मिलें

\*४६१. { श्री सरजू पाण्डेय :  
श्री द्वारका दास मंत्री :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पूर्वी उत्तर प्रदेश में तीसरी योजना के अन्तर्गत सहकारी आधार पर कुछ चीनी मिलें स्थापित करने का विचार है ; और

(ख) यदि हां, तो ये मिल कहां कहां स्थापित की जायेंगी तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा उन्हें कितनी धनराशि दी जायेगी ?

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में उपमंत्री (श्री प्र० म० धामस) : (क) और (ख). पूर्व उत्तर प्रदेश में रसरा जिला बलिया, औराई जिला वाराणसी और इन्दरा जिला झांझमगढ़ में सहकारी चीनी कारखाने स्थापित करने के लिये लाइसेंस देने के लिये आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। यह सरकार के विचाराधीन हैं।

#### Seed Corporation

\*462. { Shri P. Venkatasubbalah:  
Shri Onkar Lal Berwa:  
Shri Himatsingka:

Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 560 on the 24th August, 1962 and state:

(a) the present position in regard to establishment of Seed Corporation of India; and

(b) what are the plans for its operation during 1963-64?

The Minister of State in the Ministry of Food and Agriculture (Dr. Ram Subhag Singh): (a) The National Seeds Corporation has been formed as a private limited company. It is

fully financed by the Government of India.

(b) The Corporation proposes to produce during 1963-64, about 25,600 mds. of double cross seed of Hybrid Maize from 1,600 acres. The target for 1964-65 is 72,000 mds. from 4,500 acres.

Proposals for production of sarghum, vegetable and jute seeds are also under consideration.

सीकर, राजस्थान में गोदाम

\*४६३. श्री श्रीकारलाल बेरवा : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजस्थान में सीकर के अनाज के गोदामों में जो पाउडर छिड़का गया था उसमें कुछ विषैले तत्व पाये गये ;

(ख) यदि हां, तो यह पाउडर कहां से मंगाया गया था ;

(ग) इसमें विषैले तत्व होने के क्या कारण थे ; और

(घ) इस मामले की जांच के लिये क्या क्या कार्यवाही की जा रही है ?

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में उपमंत्री

(श्री प्र० म० धामस) : (क) से (घ). यह बताया गया है कि राजस्थान में सीकर में कुछ व्यापारियों ने खाद्यान्नों में बी० एच० सी० (बैंजीन हेक्साक्लोराइड) की थोड़ी सी मात्रा खाद्यान्नों का परिक्षण करने के उद्देश्य से मिला दी थी। बी० एच० सी० कीटनाशक है जो कि बाजार में सुगमता से मिल जाती है और अनाज की बोहरियों के ऊपर छिड़कने के लिए इसका आम प्रयोग किया जाता है। यह कीजों के लिए विषैली है और इससे कीड़े मर जाते हैं। किन्तु थोड़ी मात्रा में इसका प्रयोग मनुष्य के लिए विषैला नहीं होता है। तथापि, काफी बड़ी मात्रा में प्रयोग करने से इससे मनुष्य

के जीवन को भी खतरा हो जाता है। गुजरात सरकार ने खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम के अधीन पहले से ही कार्यवाही आरम्भ कर दी है।

#### Telex Service

\*464. **Shri P. K. Deo:** Will the Minister of Posts and Telegraphs be pleased to state:

(a) the manner in which the National Telex Service is working;

(b) the total cost involved for this project; and

(c) the extra receipts anticipated in the revenue of the departments due to the use of the Telex Service?

**The Minister of Posts and Telegraphs (Shri A. K. Sen):** (a) The National Telex Service is working satisfactorily.

(b) About Rs. 22 lakhs for the four auto teleprinter exchanges, one each at Bombay, Calcutta, Delhi and Madras.

(c) About Rs. 4,54,000 (approximately 20.6% return).

#### Steel for Ship Repairing

\*465. **Shri Indrajit Gupta:** Will the Minister of Transport be pleased to state:

(a) whether it is a fact that supplies of Lloyds Tested Steel for ship repairing are virtually unobtainable in India;

(b) whether as a result ship repairing and ship-building yards are unable to undertake orders, particularly on foreign vessels;

(c) whether such orders are progressively being diverted to non-Indian ports; and

(d) if so, action, if any, being taken by Government to save the industry from extinction?

**The Minister of Transport (Shri Raj Bahadur):** (a) and (b). Though

there is shortage of tested steel the work of ship repairs continues.

(c) and (d). No Sir. Most of the Ship-repair jobs are being handled in India. During the years 1960 to 1962, only six Indian and foreign ships had to be diverted to foreign ports for repairs due to non-availability of requisite material.

#### Production of Wool

\*466. **Shri Ramachandra Ulaka:** Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) whether there was any decline in the production of wool during the last year;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) the steps taken or proposed to be taken by Government in this regard?

**The Minister of State in the Ministry of Food and Agriculture (Dr. Ram Subhag Singh):** (a) No.

(b) Does not arise.

(c) Steps taken for increasing wool production are indicated in the Statement placed on the Table of the Sabha. [Placed in Library, See No. LT-1627/63].

#### Micro-Wave Tele-Communication System.

\*467. { **Shrimati Renuka Barkataki:**  
**Shri Bishanchander Seth:**

Will the Minister of Posts and Telegraphs be pleased to state:

(a) the progress made up-to-date in installing the micro-wave tele-communication system in Assam; and

(b) whether the work for installation has been started?

**The Minister of Posts and Telegraphs (Shri A. K. Sen):** (a) Detailed engineering planning for the project has been completed. Tenders for the supply of equipment required for the